RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मार्च
04
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

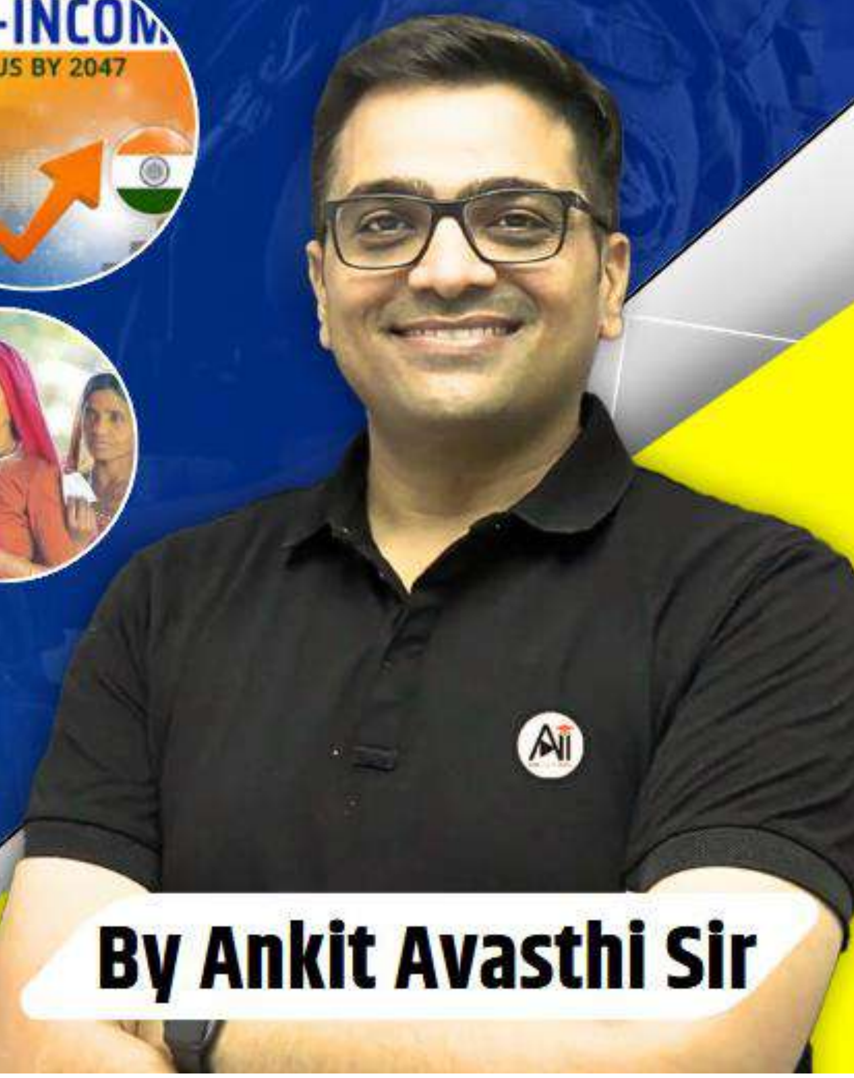

By Ankit Avasthi Sir

‘ब्लू घोस्ट’ मिशन 1 / ‘Blue Ghost’ Mission 1

संदर्भ:

अमेरिकी कंपनी **Firefly Aerospace** के **Blue Ghost Mission 1** ने चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की है, जिससे यह **चंद्रमा पर उतरने वाला दूसरा निजी मिशन** बन गया है। यह मिशन **पहली बार पूरी तरह सीधा (upright) लैंड करने वाला** निजी मिशन भी है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

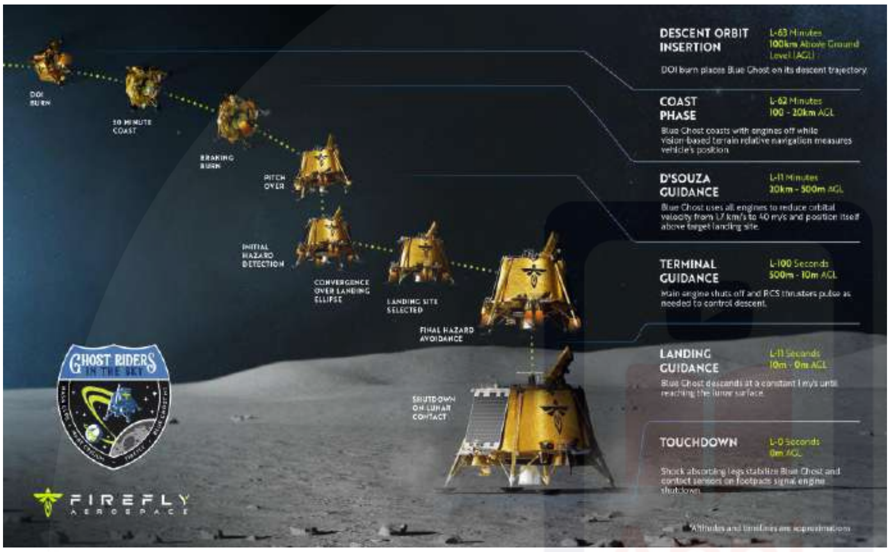

फायरफ्लाई की ब्लू घोस्ट मिशन 1:

परिचय:

- **मिशन नाम:** ब्लू घोस्ट मिशन 1 (Ghost Riders in the Sky)
- **किसका हिस्सा:** NASA का **Commercial Lunar Payload Services (CLPS) Initiative**
- **कंपनी: Firefly Aerospace** (अमेरिका स्थित निजी अंतरिक्ष कंपनी)
- **लॉन्च: 15 जनवरी, 2025** (SpaceX Falcon 9 रॉकेट द्वारा)
- **सॉफ्ट लैंडिंग: 2 मार्च, 2025**
- **अवतरण स्थल: Mare Crisium** (चंद्रमा का एक प्रमुख बेसिन, जो पृथ्वी से दिखाई देता है)

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- दूसरी निजी कंपनी बनी, जिसने चंद्रमा पर सफल लैंडिंग की।
- पहला वाणिज्यिक मिशन, जिसने पूर्ण रूप से सफल सॉफ्ट-लैंडिंग हासिल की।

पेलोड्स (अंतरिक्ष उपकरण):

- **ब्लू घोस्ट** ने **10 वैज्ञानिक और तकनीकी पेलोड्स** ले जाए, जिनमें NASA के उपकरण भी शामिल थे।
- इन उपकरणों का उद्देश्य **चंद्र धूल, विकिरण (Radiation) और सतह सामग्री (Surface Materials) का अध्ययन** करना था।
- **लैंडर लगभग 14 पृथ्वी दिन (एक चंद्र दिवस) तक संचालित रहेगा।**

भविष्य की योजनाएँ:

- फायरफ्लाई 2026 और 2028 में दो और ब्लू घोस्ट मिशन लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

NASA का CLPS कार्यक्रम चंद्रमा पर विज्ञान को बढ़ावा देने और चंद्र पर्यावरण की बेहतर समझ विकसित करने के लिए चलाया जा रहा है।

प्रमुख निजी अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन:

1. **Axiom मिशन:**
   - निजी रूप से वित्त पोषित और संचालित ISS मिशन।
   - **लॉन्च:** SpaceX Crew Dragon व Falcon 9 से (NASA, फ्लोरिडा)।
   - **मिशन:**
     - Ax-1 (2022): पहला वाणिज्यिक क्रू मिशन (17 दिन)।
     - Ax-2 (2023): 8 दिन कक्षा में।
     - Ax-3 (2024): 18 दिन ISS पर।
     - Ax-4 (2025): **IAF पायलट शुभांशु शुक्ला मिशन के पायलट होंगे।**
2. **पोलारिस डॉन मिशन:**
   - **लॉन्च:** सितंबर 2024 (SpaceX Crew Dragon, Falcon 9)।
   - **मुख्य बिंदु:**
     - 5-दिवसीय अंतरिक्ष यात्रा, 4 अंतरिक्षयात्री।
     - अपोलो 17 (1972) के बाद सबसे दूर तक गया मानव मिशन।
     - वैन एलेन रेडिएशन बेल्ट से गुजरा (स्पेस रेडिएशन अध्ययन)।
     - पहली व्यावसायिक स्पेसवॉक।
3. **ओडिसियस मिशन:**
   - **संस्था:** अमेरिकी कंपनी Intuitive Machines।
   - **लॉन्च:** फरवरी 2024 (पहला निजी चंद्र मिशन)।
   - **परिणाम:** क्रेटर पर हार्ड लैंडिंग, उपकरण क्षतिग्रस्त।

जहां-ए-खुसरो सूफ़ी संगीत समारोह / Jahan-e-Khusrau Sufi Music Festival

संदर्भ:

भारतीय प्रधानमंत्री ने हाल ही में **सूफी महोत्सव 'जहान-ए-खुसरो'** में भाग लिया और देश की **बहुलतावादी संस्कृति** को बनाए रखने में **सूफी परंपरा की भूमिका** को रेखांकित किया।

जहान-ए-खुसरो उत्सव:

परिचय:

- **अंतरराष्ट्रीय उत्सव** जो सूफी संगीत, कविता और नृत्य को समर्पित है।
- **अमीर खुसरो की विरासत** का उत्सव मनाने के लिए आयोजित किया जाता है।
- दुनियाभर के कलाकार इस आयोजन में भाग लेते हैं।
- **रूमी फाउंडेशन द्वारा आयोजित।**
- **2001 में प्रसिद्ध फिल्मकार और कलाकार मुज़फ्फर अली द्वारा स्थापित।**

अन्य प्रमुख पहल:

- उत्सव के दौरान प्रधानमंत्री ने **TEH बाजार** का दौरा किया।
- **TEH (The Exploration of the Handmade)** बाजार में **"One District-One Product"** पहल के तहत भारत के विभिन्न जिलों की हस्तशिल्प और उत्कृष्ट कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं।

सूफीवाद क्या है?

- **सूफीवाद इस्लाम की एक रहस्यवादी (Mystic) धारा है,** जो **9वीं-10वीं शताब्दी** में मध्य पूर्व में विकसित हुई।
- रहस्यवाद (Mysticism) एक धार्मिक साधना है, जिसमें लोग **ध्यान (Meditation) और प्रार्थना (Prayer) के माध्यम से सत्य, ज्ञान और ईश्वर के समीप जाने का प्रयास करते हैं।**
- यह **आंतरिक शुद्धता, प्रेम और भक्ति पर केंद्रित** है, जिससे मोक्ष प्राप्त किया जाता है।

इतिहास में सूफीवाद का विकास:

- **मिस्र, सीरिया, इराक, तुर्की और अरब में सूफीवाद का प्रभाव विशेष रूप से रहा।**
- सूफी संतों ने **कविता, संगीत और आध्यात्मिक विचारधारा** को आगे बढ़ाया।

भारत में सूफीवाद का आगमन:

- 11वीं और 12वीं शताब्दी में भारत में सूफीवाद आया, जब दक्षिण भारत में अरबी व्यापारियों के माध्यम से इस्लाम का आगमन हुआ।
- यह परंपरा फ़ारसी, तुर्की, उर्दू, सिंधी, पश्तो और पंजाबी साहित्य से प्रभावित रही।

भारत में प्रमुख सूफी सिलसिले:

1. चिश्ती सिलसिला:

- **स्थापना:** ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर, भारत)
- **प्रसिद्ध संत:** निज़ामुद्दीन औलिया, नसीरुद्दीन चिराग, शेख बुरहानुद्दीन गरीब, मोहम्मद बंदा नवाज
- **विशेषता:** प्रेम, भक्ति, संगीत और दया पर जोर

2. सुहरावर्दी सिलसिला:

- **स्थापना:** शेख शहाबुद्दीन सुहरावर्दी
- **प्रमुख स्थान:** पंजाब और मुल्तान
- **विशेषता:** संपत्ति, ज्ञान और रहस्यवाद को महत्व, कठोर तपस्या का विरोध

3. नक्शबंदी सिलसिला:

- **स्थापना:** ख्वाजा बहाउद्दीन नक्शबंदी
- **विशेषता:** मौन ध्यान (Silent Meditation) पर जोर, शरिया कानून का कड़ाई से पालन, अकबर की उदार नीतियों का विरोध
- **ईश्वर और मानव का संबंध:** दास और स्वामी के रूप में देखा

4. कादरी सिलसिला:

- **स्थापना:** मुगल काल में
- **प्रमुख स्थान:** पंजाब
- **विशेषता:** "वहदत-अल-वजूद" (ईश्वर और सृष्टि की एकता) का सिद्धांत
- **प्रमुख अनुयायी:** मुगल राजकुमारी जहाँआरा और दारा शिकोह

भारत में सूफीवाद का प्रभाव:

- आध्यात्मिकता, कविता और संगीत के क्षेत्र में सूफियों का योगदान।
- प्रमुख सूफी संत जैसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती, निज़ामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो और कबीर ने भक्ति आंदोलन को प्रभावित किया।
- संत नामदेव, तुकाराम और गुरु नानक देव ने सूफी और हिंदू भक्ति परंपराओं को एकीकृत किया।

2047 तक उच्च आय की स्थिति तक भारत का मार्ग / India's Path to High-Income Status by 2047

संदर्भ:

भारत को **2047 तक उच्च आय वाले देश** का दर्जा हासिल करने के लिए अगले **22 वर्षों तक औसतन 7.8%** की दर से आर्थिक वृद्धि दर्ज करनी होगी।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विश्व बैंक की सिफारिशें:

1. निवेश और पूंजी निर्माण में वृद्धि:

- **निवेश दर:** 2035 तक **GDP का 40%** (वर्तमान में 33.5%)
- निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाना
- **वित्तीय क्षेत्र के नियमों में सुधार** और **FDI प्रतिबंधों में ढील**
- MSME को ऋण उपलब्ध कराना और व्यापार नियमों को सरल बनाना

2. श्रम शक्ति भागीदारी में सुधार:

- **कुल श्रम भागीदारी:** 56.4% से बढ़ाकर **65%**
- **महिला श्रम भागीदारी:** 35.6% से बढ़ाकर **50%**
- **रोजगार-प्रधान क्षेत्रों** (उद्योग, पर्यटन, परिवहन और देखभाल अर्थव्यवस्था) को प्रोत्साहन

3. संरचनात्मक परिवर्तन और व्यापार एकीकरण:

- कृषि क्षेत्र में रोजगार 45% से कम करना और श्रम को विनिर्माण व सेवाओं की ओर स्थानांतरित करना
- इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारना, नई तकनीक अपनाना, और श्रम कानून सरल बनाना
- वैश्विक मूल्य श्रृंखला (GVC) भागीदारी बढ़ाना, ताकि भारत वियतनाम, थाईलैंड और चीन से प्रतिस्पर्धा कर सके

4. राज्यों के बीच संतुलित विकास को बढ़ावा देना:

- **कम विकसित राज्यों** में स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार
- **औद्योगीकृत राज्यों** में व्यापार सुधार और GVC भागीदारी को गहराई देना
- **शहरी चुनौती निधि (Urban Challenge Fund)** जैसे प्रोत्साहन कार्यक्रमों का विस्तार

2047 तक उच्च आय वर्ग (HIC) में पहुंचने की प्रमुख चुनौतियाँ:

1. धीमा संरचनात्मक परिवर्तन:

- कृषि क्षेत्र में अभी भी 45% श्रमिक कार्यरत (2023-24)
- पारंपरिक बाजार सेवाएं और निर्माण क्षेत्र (कम उत्पादकता वाले) कुल श्रम बल का लगभग 30%
- उद्योग (Manufacturing) में रोजगार केवल 11%
- आधुनिक बाजार सेवाओं (Modern Market Services) की हिस्सेदारी मात्र **7%.**

2. घटता निजी निवेश:

- **1990** के आर्थिक सुधारों के बाद निजी निवेश में उछाल, लेकिन 2008 की वैश्विक वित्तीय संकट के बाद GDP में इसका अनुपात घटा
- निवेश की धीमी वृद्धि से अवसंरचना विकास और रोजगार सृजन पर असर

3. जनसांख्यिकीय लाभांश का कम उपयोग:

- **2000-2019** के दौरान **कार्यशील आयु वर्ग की जनसंख्या 37.4%** बढ़ी, लेकिन **रोजगार वृद्धि केवल 15.7%**
- इस दौरान **श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 58% से गिरकर 49%** (जो मध्य-आय वर्गीय देशों के मानकों से कम)

2047 तक उच्च आय वर्ग (HIC) बनने के लिए आगे का मार्ग:

1. अवसंरचना और निवेश सुधार में तेजी:

- भूमि एवं श्रम कानूनों में सुधार
- FDI नियमों को आसान बनाना
- व्यवसायों के लिए अनुपालन (Compliance) बोझ कम करना

2. रोजगार और महिला श्रम भागीदारी का विस्तार:

- रोजगार-समृद्ध क्षेत्रों में नीतिगत सहयोग
- महिलाओं के लिए सुरक्षा एवं चाइल्डकैअर सुविधाएं बढ़ाना

3. वैश्विक व्यापार और विनिर्माण को सशक्त बनाना:

- **निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना**
- **वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (GVCs) में एकीकरण**

4. राज्यों में समान विकास सुनिश्चित करना:

- पिछड़े राज्यों में **स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार**
- विकसित राज्यों में **आर्थिक सुधारों को और आगे बढ़ाना**

5. प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देना:

- **AI, ऑटोमेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन** को अपनाकर उत्पादकता और आर्थिक दक्षता में वृद्धि

पंचायती राज व्यवस्था में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के समक्ष चुनौतियाँ / Challenges Faced by Elected Women Representatives in Panchayati Raj System

संदर्भ:

पंचायती राज मंत्रालय की एक समिति (पूर्व खान सचिव सुशील कुमार की अध्यक्षता में) की रिपोर्ट में बताया गया है कि महिला जनप्रतिनिधियों को स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों का उपयोग करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

महिला पंचायती सदस्यों के सामने प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **पितृसत्तात्मक मानसिकता और सरपंच पति सिंड्रोम:**
   - कई जगहों पर पति, पिता या भाई ही असली निर्णयकर्ता होते हैं, जिससे महिलाएँ केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाती हैं।
   - इसे 'सरपंच पति सिंड्रोम' कहा जाता है, जो राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में व्यापक रूप से देखा जाता है।
2. **राजनीतिक प्रशिक्षण और जागरूकता की कमी:**
   - कई महिलाओं को शासन प्रणाली, वित्तीय योजना और नीतिगत फैसलों की पर्याप्त जानकारी नहीं होती।
   - इससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है, और वे पुरुषों या नौकरशाही पर निर्भर हो जाती हैं।
3. **नौकरशाही और पुरुष नेताओं का विरोध:**
   - कई अफसर महिला नेताओं को गंभीरता से नहीं लेते और उन्हें अयोग्य समझते हैं।
   - इसका असर धन आवंटन और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर पड़ता है, जिससे महिला नेतृत्व कमजोर होता है।
4. **आर्थिक निर्भरता और वित्तीय सशक्तिकरण की कमी:**
   - ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक निर्भरता पुरुषों पर अधिक होती है, जिससे वे स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर पातीं।
   - वित्तीय संसाधनों और माइक्रो-क्रेडिट योजनाओं तक सीमित पहुँच उनके स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर देती है।
5. **लैंगिक हिंसा और धमकियाँ:**
   - ग्रामीण क्षेत्रों में महिला राजनेताओं को डराने-धमकाने, अपशब्द कहने और कभी-कभी शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ता है।
   - विरोधी पुरुष नेता या प्रभावशाली जातीय समूह महिलाओं को राजनीति से बाहर करने की कोशिश करते हैं, और कई मामलों में उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया जाता है।
6. **कार्य और घरेलू जिम्मेदारियों का दोहरा बोझ:**
   - महिलाएँ अपने राजनीतिक कार्यों और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने में संघर्ष हैं।
   - समाज उनसे घरेलू कार्य, बच्चों की देखभाल और खेती-किसानी की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा करता है, जिससे उनके पास शासन संबंधी कार्यों के लिए कम समय बचता है।
7. **सामाजिक और जातिगत भेदभाव:**
   - दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) से आने वाली महिला नेताओं को दोहरी भेदभाव का सामना करना पड़ता है।
   - उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों में यह समस्या अधिक देखी जाती है, जहाँ जातिगत भेदभाव महिला नेतृत्व को और भी कठिन बना देता है।

समाधान के उपाय

1. **नीतिगत हस्तक्षेप (Policy Interventions):**
   - निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (EWRs) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत किया जाए।
   - उन्हें कानूनी अधिकारों और शासन से संबंधित जागरूकता दी जाए।
2. **संरचनात्मक सुधार (Structural Reforms):**
   - महिला आरक्षण की अवधि को बढ़ाया जाए ताकि नेतृत्व में निरंतरता बनी रहे।
   - इससे महिलाओं को दीर्घकालिक रूप से प्रभावी नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा।
3. **उदाहरणात्मक दंड (Exemplary Penalties):**
   - उन पुरुष रिश्तेदारों पर सख्त कार्रवाई हो, जो महिला प्रतिनिधियों की जगह पर शासन चलाते हैं।
   - 'सरपंच पति सिंड्रोम' को रोकने के लिए कड़े कानून लागू किए जाएं।
4. **जागरूकता अभियान (Awareness Campaigns):**
   - सभी स्तरों पर लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाए जाएं।
   - समाज में महिलाओं की भागीदारी को सामान्य बनाने के लिए सकारात्मक संदेश फैलाए जाएं।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण / Direct Benefit Transfer

संदर्भ:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 49वें सिविल अकाउंट्स डे समारोह में घोषणा की कि सरकार की 1,200 योजनाओं में से 1,100 अब **डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT)** के तहत आ गई हैं। इससे लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक खातों में धन हस्तांतरित किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और कुशलता बढ़ी है।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के बारे में:

शुरुआत: 2013

उद्देश्य:

- नकद सब्सिडी और लाभ स्थानांतरण की प्रणाली में सुधार करना।
- रिसाव (leakages) को कम करना, तेजी से लाभ पहुंचाना और फंड ट्रांसफर में देरी को समाप्त करना।

सहायता का दायरा:

1. **नकद हस्तांतरण (Cash Transfers)**
   - **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN):** किसानों को आर्थिक सहायता।
   - **पेंशन योजनाएँ:** वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन।
   - **छात्रवृत्तियाँ:** शैक्षिक सहायता के लिए।
2. **वस्तु आधारित सहायता (In-Kind Support)**
   - **उर्वरक सब्सिडी (Fertilizer Subsidy):** किसानों को उर्वरकों पर सब्सिडी।
   - **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS):** खाद्यान्न वितरण।
   - **पीएम पोषण (PM Poshan):** स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना।

डीबीटी (DBT) से जुड़ी प्रमुख केंद्रीय योजनाएँ:

1. **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)**
   - **प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्र योजना (Central Sector DBT Scheme)।
   - **लाभ:** सभी पात्र भूमिधारी किसान परिवारों को सालाना ₹6000/- की वित्तीय सहायता।
   - **विशेष शर्तें:** कुछ अपात्रता मानदंड लागू।
2. **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS)**
   - **उद्देश्य:** ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा बढ़ाना।
   - **लाभ:** मजदूरी का भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक/डाकघर खातों में डीबीटी के माध्यम से।
3. **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)**
   - **उद्देश्य:** गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं (PW&LM) में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना।
   - **लाभ:** डीबीटी के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करना।
4. **प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण (PMAY-G)**
   - **उद्देश्य:** "सबके लिए आवास" लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पात्र ग्रामीण परिवारों को 2.95 करोड़ घर उपलब्ध कराना।
   - **लाभ:** लाभार्थियों को सीधे बैंक खाते में राशि स्थानांतरित करना।

भारत में DBT इकोसिस्टम का प्रभाव:

1. योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन: 2016 से अब तक DBT के जरिए **450 योजनाओं के तहत 900 मिलियन लोगों** को **$450 बिलियन** का सीधा लाभ।

- यह केंद्र सरकार की **कल्याणकारी और सब्सिडी बजट का 60%** है।

2. COVID-19 में मदद: मार्च-अप्रैल 2020 में **₹27,442 करोड़ (PM-KISAN, MGNREGS आदि)** 11.42 करोड़ लाभार्थियों को।

- राज्यों ने **₹9,217 करोड़** 4.59 करोड़ लोगों तक पहुंचाए।

3. वित्तीय समावेशन: PMJDY के तहत 53.13 करोड़ बैंक खाते, जिनमें से 67% ग्रामीण क्षेत्रों में और 56% महिलाओं के नाम।

4. पारदर्शिता और बचत: आधार-सीडिंग से **90 मिलियन फर्जी लाभार्थी हटाए**, जिससे **$40 बिलियन की बचत** हुई।

- पहले लीक होने वाली सब्सिडी **GDP के 2% तक** थी।

5. सामाजिक-आर्थिक प्रभाव:

- **पुनर्वास योजनाओं से सामाजिक उत्थान**, जैसे स्व-रोजगार योजना।
- **किसानों को सीधी आर्थिक सहायता**, खाद, बीमा योजनाएं।
- **महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता**, PM गरीब कल्याण योजना के तहत जन धन खातों में नकद हस्तांतरण।

भारत की अर्थव्यवस्था पर GeM का प्रभाव / Impact of GeM on India's Economy

संदर्भ:

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने **सरकारी खरीद** को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाया है, जिससे सरकारी खरीदारों और छोटे व्यवसायों को लाभ मिला है। पिछले वित्त वर्ष में, **GeM पर कुल 62,86,543 ऑर्डर** दर्ज हुए, जिनका कुल मूल्य **₹4,03,305 करोड़** रहा।

GeM - गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस:

1. परिचय:

- **GeM (Government e-Marketplace)** सरकारी विभागों, मंत्रालयों और PSUs के लिए **एक सार्वजनिक खरीद पोर्टल** है।
- **2016 में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया।

2. उद्देश्य:

- **केंद्रीकृत और पारदर्शी खरीद मंच** तैयार करना।
- **सरकारी खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं** को एक प्लेटफॉर्म पर लाना।

GeM (Government e-Marketplace) की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **SWAYATT पहल:**
    - स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (MSEs), स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और युवाओं को सार्वजनिक खरीद में सीधा अवसर प्रदान करता है।
    - व्यापार करने में आसानी (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देने पर केंद्रित।
2. **Startup Runway 2.0:**
    - स्टार्टअप्स को सरकारी खरीदारों के सामने अपने नवीन उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर।
    - सार्वजनिक खरीद में भाग लेने का मंच प्रदान करता है।
3. **स्टार्टअप्स के लिए विशेष बाजार श्रेणी:**
    - DPIIT प्रमाणन के बिना भी सभी स्टार्टअप्स के लिए उत्पादों और सेवाओं को सूचीबद्ध करने हेतु समर्पित श्रेणी बनाई गई है।
4. **Womaniya पहल:**
    - महिला उद्यमियों और महिला स्वयं सहायता समूहों (WSHGs) द्वारा निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देना।
5. **MSME पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सहयोग:**
    - विशेष रूप से अनुसूचित जाति (SC) / अनुसूचित जनजाति (ST) के उद्यमियों पर ध्यान केंद्रित।
    - सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) के विभिन्न हितधारकों के साथ साझेदारी।
6. **SARAS Collection:** भारत के शीर्ष स्वयं सहायता समूहों (SHGs) द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, हथकरघा वस्त्र, कार्यालय सजावट, फर्निशिंग, एक्सेसरीज़, उपहार, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की एक विशेष श्रृंखला।

GeM (Government e-Marketplace) का प्रभाव:

1. **लागत में बचत (Cost Savings)**: प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य निर्धारण (Competitive Pricing) के कारण सरकारी खरीद लागत में कमी आई।
2. **विस्तृत बाजार पहुंच (Wider Market Access)**: देशभर के विक्रेताओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के उद्यमियों को अपने उत्पाद बेचने का अवसर।
3. **MSME और स्टार्टअप्स को बढ़ावा (Boost to MSMEs & Startups)**: GeM पर किए गए लगभग 50% ऑर्डर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) से होते हैं, जिससे छोटे व्यवसायों को बढ़ावा मिलता है।

GeM के लाभ (Advantages of GeM):

1. **सार्वजनिक खरीद प्रणाली में नीतिगत सुधार** – सरकारी खरीद की प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना।
2. **समावेशन और व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा** – छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़ना।
3. **प्रक्रियाओं का मानकीकरण (Standardization) एवं नियामक ढांचे द्वारा समर्थन** – सरकारी खरीद में एकरूपता और अनुशासन सुनिश्चित करना।
4. **पूर्णत: स्वचालितका उपयोग** – नवीनतम तकनीकों के माध्यम से डिजिटल और तेज़ खरीद प्रक्रिया को सक्षम बनाना।

भारत-यूरोपीय संघ संबंध / India-EU Relations

संदर्भ:

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के नेतृत्व में **27 में से 22 यूरोपीय आयुक्तों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल** की भारत यात्रा भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- यह ऐतिहासिक यात्रा व्यापार, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और रक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देती है, जिससे भारत और EU के बीच रणनीतिक साझेदारी और सुदृढ़ होगी।

बैठक के प्रमुख बिंदु:

1. **मुक्त व्यापार समझौता (FTA):**
   - पहली बार FTA के लिए ठोस समय सीमा तय की गई, जिसकी बातचीत 2007 से जारी थी।
2. **निवेश और भौगोलिक संकेत (GI):**
   - FTA के साथ-साथ निवेश सुरक्षा और भौगोलिक संकेतों पर समझौतों के लिए वार्ता जारी।
3. **तकनीकी सहयोग (Tech Cooperation):**
   - अर्धचालक (Semiconductors), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (High-Performance Computing) और 6G में सहयोग बढ़ाने पर सहमति।
   - अंतरिक्ष संवाद (Space Dialogue) शुरू करने पर सहमति।
4. **सुरक्षा और रक्षा साझेदारी (Security and Defence Partnership):**
   - यूरोपीय संघ (EU) भारत के साथ जापान और दक्षिण कोरिया की तरह एक सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी की संभावना तलाश रहा है।
   - इसमें सीमा पार आतंकवाद, समुद्री सुरक्षा, साइबर हमले और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंध:

1. **प्रारंभिक संबंध:** भारत ने 1962 में यूरोपीय आर्थिक समुदाय (EEC) के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए, जो आगे चलकर यूरोपीय संघ (EU) बना।
2. **प्रमुख घटनाक्रम:**
   - **1993**: संयुक्त राजनीतिक वक्तव्य (Joint Political Statement) पर हस्ताक्षर।
   - **1994**: सहयोग समझौते (Cooperation Agreement) की स्थापना।
   - **2000**: लिस्बन में पहली भारत-ईयू शिखर बैठक।
   - **2004**: संबंधों को रणनीतिक साझेदारी (Strategic Partnership) के रूप में उन्नत किया गया।
3. **हालिया कूटनीतिक संवाद:**
   - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग (EC) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन कई बार मिल चुके हैं।
   - वार्ताओं में जलवायु कार्रवाई, वैश्विक व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे विषय शामिल हैं।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (FTA)

1. **पुनः शुरू हुई वार्ता** – 2007 में शुरू हुई वार्ता 2017 में ब्रेक्जिट के कारण रुकी, लेकिन 2022 में फिर शुरू हुई।
2. **2025 तक लक्ष्य** – भारत और यूरोपीय संघ ने 2025 के अंत तक FTA को अंतिम रूप देने का निर्णय लिया।
3. **सबसे बड़ा व्यापार समझौता** – यह वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा व्यापार समझौता होगा, जिससे व्यापार बाधाएं कम होंगी और बाजार तक पहुंच बढ़ेगी।

2023-24 में भारत-ईयू व्यापार:

- **माल व्यापार** – 137.41 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- **सेवा व्यापार** – 51.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर

4. **मुख्य वार्ता क्षेत्र** – FTA के साथ निवेश सुरक्षा और भौगोलिक संकेतों (GI) पर भी समझौते हो रहे हैं।
5. **रणनीतिक महत्व** – यह समझौता भारत और ईयू को अमेरिकी आयात शुल्क वृद्धि के प्रभाव से बचाने और व्यापार विविधीकरण में मदद करेगा।
6. **व्यापक सहयोग** – यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सेमीकंडक्टर, AI, 6G, ग्रीन हाइड्रोजन और IMEEC परियोजना में भी सहयोग बढ़ाएगा।
7. **आर्थिक व भू-राजनीतिक संदर्भ** – यह वैश्विक भू-राजनीतिक परिवर्तनों के बीच भारत और ईयू को आर्थिक आत्मनिर्भरता और मजबूती प्रदान करेगा।

पीएम2.5 / PM2.5

संदर्भ:

एक हालिया अध्ययन, जो Nature Communications में प्रकाशित हुआ है, ने उत्तरी भारत, विशेष रूप से **इंडो-गंगा के मैदान में PM2.5 प्रदूषण के स्रोतों और इसके स्वास्थ्य प्रभावों का विश्लेषण** किया है।

- यह अध्ययन वायु गुणवत्ता सुधारने और स्वास्थ्य पर इसके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करता है।

उत्तर भारत में PM2.5 प्रदूषण पर अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष:

1. PM2.5 के प्रमुख स्रोत:

- अध्ययन ने **दिल्ली, कानपुर** सहित पाँच स्थानों पर प्रदूषण का विश्लेषण किया।
- **दिल्ली में स्रोत** – वाहन उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधन जलाना और घरेलू हीटिंग।
- **दिल्ली के बाहर** – अमोनियम सल्फेट, अमोनियम नाइट्रेट और बायोमास जलाने से उत्पन्न कण।

2. PM2.5 की विषाक्तता और स्वास्थ्य प्रभाव:

- **कार्बनिक एरोसोल (Organic Aerosols)** – बायोमास और जीवाश्म ईंधन के अपूर्ण दहन से विषाक्तता बढ़ती है।
- **स्वास्थ्य जोखिम** – यातायात उत्सर्जन और घरेलू ईंधन जलाने से PM2.5 के स्वास्थ्य प्रभाव गंभीर होते हैं।

3. यातायात सबसे बड़ा कारक:

- **हाइड्रोकार्बन जैविक एरोसोल (HOA)** – दिल्ली के शहरी सड़कों पर अधिकतम (8 $\mu g/m^3$)।
- **फॉसिल फ्यूल-जनित एरोसोल** – HOA का 50% हिस्सा, गर्मी में 40% तक घटता है।

4. सर्दियों में प्रदूषण बढ़ने का कारण:

- **गाय के गोबर का जलना** – हीटिंग व खाना पकाने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **सर्दियों में ऑर्गेनिक एरोसोल 10 गुना अधिक** – बायोमास जलाने और निचली वायुमंडलीय परतों के कारण।

5. भारत में PM2.5 की विषाक्तता सबसे अधिक:

- **वैश्विक तुलना** – भारतीय शहरों में PM2.5 की विषाक्तता **चीनी और यूरोपीय शहरों की तुलना में 5 गुना अधिक** पाई गई।

डीएनए में अति-संरक्षित तत्व / Ultra-Conserved Elements in DNA

शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि मानव और चूहे के जीनोम के कुछ हिस्से (*Tra2b* जीन) पिछले 80 मिलियन वर्षों से अपरिवर्तित क्यों बने हुए हैं। ये हिस्से, जिन्हें **अत्यधिक संरक्षित तत्व (Ultra-Conserved Elements - UCEs)** कहा जाता है, प्रोटीन उत्पादन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Ultra-Conserved Elements (UCEs) in DNA:

क्या हैं UCEs?

- **Ultra-Conserved Elements (UCEs)** वे लंबे DNA अनुक्रम (200+ बेस पेयर) हैं, जो **लाखों वर्षों से बिना परिवर्तन के** कई प्रजातियों (मानव, चूहा, मछली, आदि) में मौजूद हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

- **कहाँ मिलते हैं?** – कोडिंग (जीन) और गैर-कोडिंग (रेगुलेटरी) दोनों क्षेत्रों में।
- **म्यूटेशन सहन नहीं करते** – इसलिए लाखों वर्षों तक अपरिवर्तित रहते हैं।
- **प्रोटीन नहीं बनाते**, लेकिन जीन को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

महत्व:

1. **विकासवादी संकेत** – इतने अधिक संरक्षित होने का अर्थ है कि वे जीवित रहने के लिए **अनिवार्य** हैं।
2. **जीन नियंत्रण** – जीन के **एक्टिवेशन/सप्रेशन** को नियंत्रित करने वाले **एन्हांसर/साइलेंसर** की तरह कार्य कर सकते हैं।
3. **विकास में भूमिका** – मस्तिष्क विकास, प्रजनन क्षमता और **प्रतिरक्षा तंत्र** से जुड़े होते हैं।
4. **रोगों से सुरक्षा** – जीन अभिव्यक्ति को स्थिर रखते हुए **अनुवांशिक विकारों व कैंसर** को रोकने में मदद कर सकते हैं।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Apni Pathshala
APNI PATHSHALA
UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP
TEST SERIES
UPPSC
(TEST SERIES)
• 35+ MOCK TESTS
• 40+ PYQ'S
• 180+ TOPIC WISE TEST
• 60+ CURRENT AFFAIRS
299/- YEAR
RO/ARO
(TEST SERIES)
• 50+ MOCK TESTS
• 30+ PYQ'S
• 10+ TOPIC WISE TEST
• 65+ CURRENT AFFAIRS
299/- YEAR
BPSC
(TEST SERIES)
• 50+ MOCK TESTS
• 30+ PYQ'S
• 10+ TOPIC WISE TEST
• 65+ CURRENT AFFAIRS
299 YEAR
SSC (TEST SERIES)
• 30 MOCK TESTS
• 28+ YEAR PYP
• 12 SECTIONAL TEST
• 60+ CURRENT AFFAIRS
99/- YEAR
RPF (TEST SERIES)
• 40 MOCK TESTS
• 2 YEAR PYQ'S
• 4 SECTIONAL TEST
• 10 PRACTICE TEST
• 60 CURRENT AFFAIRS
99/- YEAR
Download | Application
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
Avasthiankit
AnkitAvasthiSir
kaankit
ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882

Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

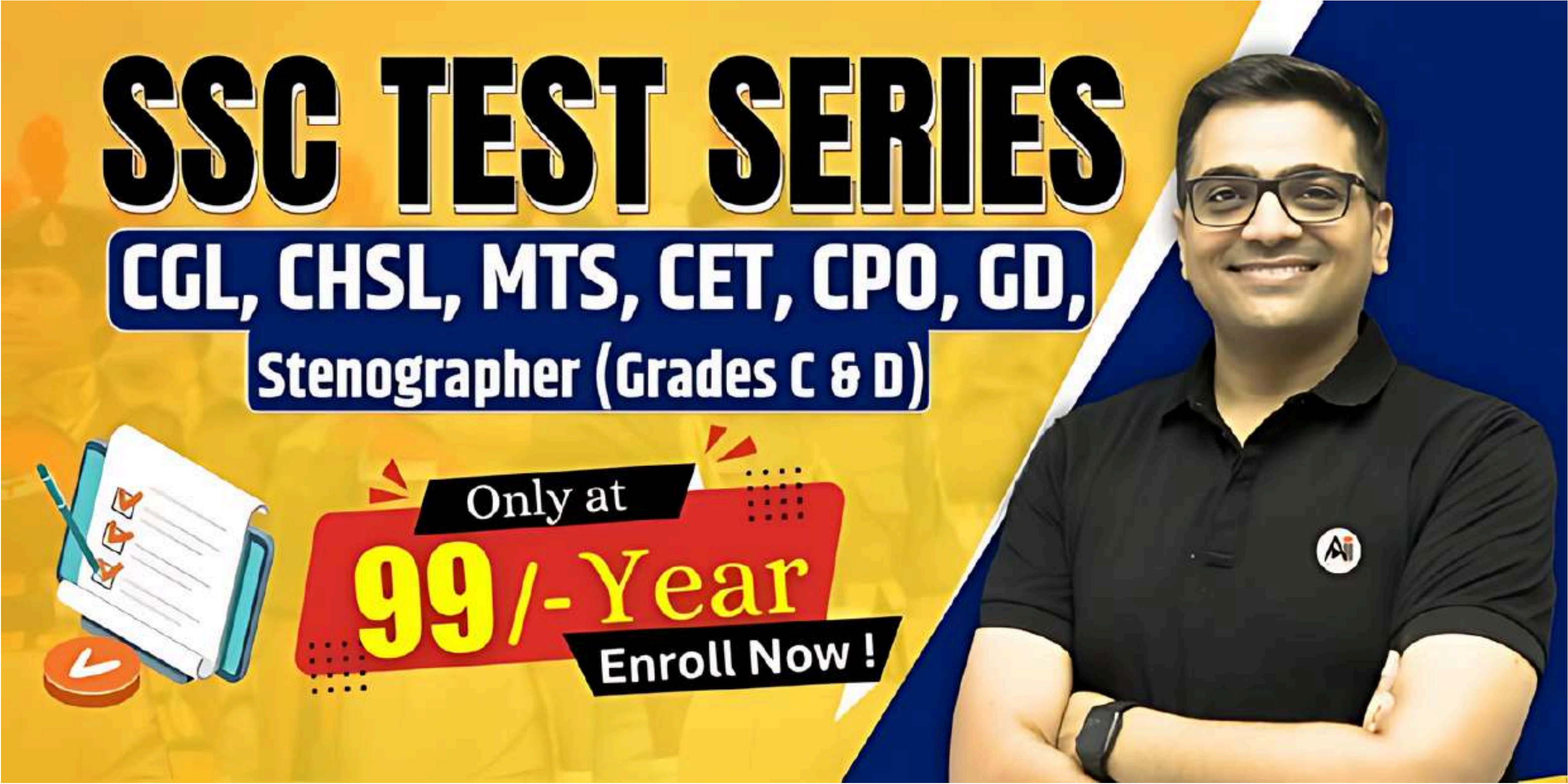
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !